**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 392

उत्‍तर देने की तारीख: 13.12.2018

**निधियों को बढ़ाने के लिए आईआईटी दिल्ली**

**द्वारा शुल्क का दुगुना किया जाना**

**392. श्री सी॰ एम॰ रमेशः**

 क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के आईआईटी द्वारा सरकार से प्राप्त अनुदानों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या आईआईटी, दिल्ली ने प्रतिष्ठित संस्थान का दर्जा प्राप्त करने के नाम पर अपने यहां शोध और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए शुल्क को दुगुना करने की पहल की है;

(ग) क्या समान दर्जे वाली देश की कोई और भी आईआईटी ऐसी ही पहल कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार आईआईटी की इस पहल, जो छात्रों के हित के विरुद्ध है, को स्वीकृति देती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)**

(क): 23 आईआईटी को आवंटित 5704.00 करोड़ रूपये में से, मौजूदा वित्तीय वर्ष के दौरान 3644.58 रूपये की राशि जारी की गई है।

(ख) से (घ): आईआईटी दिल्ली ने शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में स्नातकोत्तर और पीएच.डी कार्यक्रमों में नामांकन लेने वाले छात्रों के नए बैच के लिए शुल्क में संशोधन किया है। प्रति सेमेस्टर शुल्क संशोधन एम.एससी के लिए 2500/- रूपये से 5000/- रूपये, एमटेक/एमएस(आर)/एम.डीईएस (नियमित) के लिए 5000/- रूपये से 10,000/- रूपये, एमटेक./एम.एस.(आर)/एम.डीईएस (प्रायोजित) के लिए 25000/- रूपये से 50,000/- रूपये, पीएच.डी (पूर्णकालिक) के लिए 2500/- रूपये से 5,000/- रूपये और पीएच.डी (पार्ट टाइम) के लिए 2500/- से 10,000/- रूपये है। यह संशोधन 10 वर्ष बाद किया गया है और इसका आईआईटी दिल्ली को उत्कृष्ट संस्थान का दर्ज़ा दिए जाने से कोई संबंध नहीं है। आईआईटी बाम्‍बे जिसे आईआईटी दिल्‍ली के अतिरिक्‍त उत्कृष्ट संस्थान का दर्ज़ा दिया गया है ऐसा कोई संशोधन नहीं किया है। आईआईटी में शुल्‍क संशोधन के उपरांत भी अत्यधिक सब्सिडाईज है। तथापि, आईआईटी द्वारा एम.टेक को 12,400/- रूपये और पीएच.डी छात्रों को 25,000/- रूपये से 28,000/- रूपये प्रति माह फेलोशिप दी जाती है।

**\*\*\*\*\***